Media/LKO/0024

लखनऊ | 11 दिसंबर 2014 गुरुवार बिज़नेस स्टैंडर्ड P-1

निजी चीनी मिलों ने केंद्र से की हस्तक्षेप की मांग

बीएस संवाददाता
लखनऊ, 10 दिसंबर

उत्तर प्रदेश की निजी चीनी मिलों ने राज्य में चल रहे चीनी संकट में केंद्र से हस्तक्षेप की मांग की है। केंद्रीय खाद्य एवं नागरिक वितरण मंत्रालय को लिखे एक पत्र में उत्तर प्रदेश शुगर मिल्स एसोसिएशन (यूपीएसएमए) ने कहा कि प्रदेश में चीनी उद्योग के संकट से मिलों पर किसानों की बकाया रकम का बोझ बढ़ रहा है, साथ ही भुगतान में भी देरी हो रही है।

चीनी उद्योग ने मौजूदा संकट के लिए दूसरे राज्यों की अपेक्षा यहां गन्ने की ऊं ची कीमतों और चीनी की कीमतों में आ रही लगातार गिरावट को जिम्मेदार ठहराया। पत्र के अनुसार देश में चीनी की मौजूदा कीमतों को देखते हुए उनके लिए एफआरपी भुगतान भी मुश्किल लग रहा है। एफआरपी केंद्र तय करता है और यह फ्लोर प्राइस होती है जिसका भुगतान चीनी मिलें किसानों को करती हैं। किसानों उनके उत्पाद की और अधिक कीमत दिलाने के लिए कुछ राज्यों ने राज्य समर्थित मूल्य की भी घोषणा की है जो एफआरपी से हमेशा अधिक होता है।